SURYA FOUNDATION

# सूर्या फाउण्डेशन - आदर्श गाँव योजना

द्वारा

## चयनित आदर्श गाँव

## नांदियाकल्ला (राजस्थान)

- सूर्या संस्कार केन्द्र
- सूर्या यूथ क्लब
- सूर्या सिलाई केन्द्र
- ग्राम सेवा समिति
- स्व-सहायता समूह
- ग्राम गौरव मेला
- वृक्षारोपण महाअभियान
- तालाबों का गहरीकरण
- स्वास्थ्य शिविर
- पशु चिकित्सा शिविर
- गौआधारित जैविक कृषि

suryafoundation1 | suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

Website : www.suryafoundation.org

# संदेश

# चेयरमैन की कलम से..

पद्मश्री
–जयप्रकाश

## मेरा गाँव, मेरा बड़ा परिवार

भारत गाँवों का देश है। आज भी लगभग तीन चौथाई जनसंख्या गाँवों में निवास करती है। अर्थव्यवस्था का केन्द्र गाँव ही है, खाद्यान्नों की निर्भरता गाँवों पर ही है। गाँव और जमीन पर तो निभरता बढ़ती ही जा रही है। गाँवों के विकास से मतलब गाँवों को शहरों में बदलना नहीं बल्कि गाँवों में सुविधाएँ बढाना है। गामवासियों के लिये कमाई, रोजगार के साधन, गाँव में ही उपलब्ध हो। वहाँ हर हाथ को काम हो और हर काम के लिये व्यक्ति उपलब्ध हो। गाँव स्वावलंबी बने। मुख्यत: हम चाहते हैं कि गाँव संस्कृति, आस्था और लोक-कलाओं के प्रमुख केन्द्र बनें।

## सूर्या फाउण्डेशन की उपलब्धियाँ

- ✓ पिछले 25 वर्षों में 2 लाख युवाओं के आवासीय व्यक्तित्व विकास शिविर- PDC
- ✓ देश में सरकारी तंत्र की कार्यशैली को ठीक करने के लिए वर्ष 2002 में सत्याग्रह।
- ✓ सन् 2006 में INO Big Programme जिसमें 3000 नैचुरोपैथी चिकित्सकों ने भाग लिया।
- ✓ 18 नवम्बर 2019, नैचुरोपैथी दिवस के दिन 702 लोगों को एक साथ, मिट्टी स्नान कराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।
- ✓ पिछले तीन वर्षों में वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 18 राज्यों में 11,000 युवाओं द्वारा 1500 गाँव में 3.5 करोड़ पेड़ (फलदार, छायादार और औषधीय) लगाये गये।
- ✓ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2019 के अवसर पर 21 जून को 35 लाख लोगो को योगाभ्यास कराया गया।
- ✓ 2016 से प्रतिवर्ष 1,00,000 युवाओं की खेलकूद प्रतियोगिता एवं लघु व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन।
- ✓ 2010 से 500 आदिवासी बच्चों के लिए गुजरात में सूर्या एकलव्य सैनिक स्कूल का संचालन।
- ✓ 2018 से हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के माध्यम से 300 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।
- ✓ 18 सिलाई केन्द्र के माध्यम से 400 बहनों को प्रशिक्षित किया गया।
- ✓ **जैविक कृषि सम्मेलन 2019-20 (एक दिवसीय)**- तीन राज्यों (हरियाणा, मध्य प्रदेश, सिलीगुड़ी-पश्चिम बंगाल) के 2000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

# समरसता की ओर बढ़ता नांदियाकल्ला

मेरा नाम नत्थूनाथ है, बचपन से ही मुझे संगीत का शौक था। मैंने सूर्या फाउण्डेशन के 15 दिन की ट्रेनिंग की, वापस आने के बाद गाँव में भजन मण्डली का गठन किया। मेरा बस एक ही सपना था कि मुझे एक गायक बनना है। गाँव में कहीं भी भजन संध्या का कार्यक्रम होता है तो भजन मंडली द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम किया जाता है। हमारे गाँव में वर्ष में एक बार खड़े होकर भजन कार्यक्रम होता है। लगातार बिना रुके 7 दिन तक खड़े होकर भजन करते रहते हैं, बिना जाति भेदभाव के पूरा गाँव आरती और भजन कार्यक्रम में रहता है। झांकियों द्वारा भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है और गाँव में भक्ति का माहौल रहता है। पूरा गाँव हमारा सहयोग करता है। गाँव में होने वाले सामूहिक कार्यक्रमों की सूचना भी मंदिर से दी जाती है जिससे गाँव के लोगों को सूचना मिल जाती है। गाँव के मंदिर से प्रतिदिन सुबह भजन चलाया जाता है जो कि पूरे गाँव में सुनाई देता है।

नत्थूनाथ
प्रमुख :
भजन मण्डली

भजन कार्यक्रम करते हुए ग्रामीण

## नांदियाकल्ला गाँव में हुए विकास कार्य

- गाँव के 19 कार्यकर्ता अभी तक सूर्या फाउण्डेशन का प्रशिक्षण ले चुके हैं।
- लघु व्यक्तित्व विकास शिविरों के माध्यम से अब तक 150 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया।
- खेलकूद प्रतियोगिता के माध्यम से अब तक 260 युवाओं को खेल से जोड़ा गया।
- विश्व योग दिवस ( 21 जून ) के अन्तर्गत 600 लोगों को योगाभ्यास कराया गया।
- ग्राम गौरव मेला का आयोजन किया गया जिसमें 230 लोगों की सहभागिता रही।
- स्वास्थ्य शिविर में 459 लोगों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच कराया गया।
- प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया गया जिसमें 70 लोगों ने भाग लिया।
- पशु चिकित्सा शिविर में 56 पशुओं का टीकाकरण कराया गया।
- वृक्षारोपण महाअभियान के अन्तर्गत 2048 पौधे लगाये गये।
- रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम में 70 लोगों ने भाग लिया।
- स्वच्छता रैली में 65 लोग सम्मिलित हुए।
- 15 ट्री गार्ड लगाये गये।

# शिक्षा – सूर्या संस्कार केन्द्र

मैं सूर्या संस्कार केन्द्र में पढ़ने जाती हूँ। पढ़ाई के साथ-साथ हमें गीत अभ्यास, प्रार्थना, ध्यान, योग, और खेल कराए जाते हैं। शनिवार का दिन हमारे लिए विशेष दिन होता है उस दिन योगासन और कराटे सिखाया जाता है। हम सब खूब मजे से सीखते हैं। पहले मेरा मन पढ़ाई में नहीं लगता था और मैं अपने कामों में ज्यादा व्यस्त रहती थी। सुबह-सुबह स्कूल जाने के लिए मम्मी बोलती थी तो मुझे गुस्सा आता था और मैं स्कूल नहीं जाती थी। अब नियमित स्कूल जाती हूँ। अब मेरा मन पढ़ाई में लगता है। मुझे 20 तक पहाड़े याद हो गए हैं, देशभक्ति के पाँच गीत याद हैं। अब मुझे हिन्दी पढ़ना आ गया है। मैं अपना काम समय से कर लेती हूँ।

कोमल - कक्षा-5
सूर्या संस्कार केन्द्र

पेड़ लगाना काम महान, एक पेड़ दस पुत्र समान।

# युवा निर्माण – सूर्या यूथ क्लब

## अनुभव कथन

**कोजनाथ**
**( शिक्षक )**

मैंने सूर्या फाउण्डेशन में ट्रेनिंग ली। इससे मेरे व्यक्तित्व का विकास हुआ। मुझे अपने जीवन का ध्येय और उद्देश्य मालूम हुआ साथ ही समाज में हम क्या योगदान दे सकते हैं इसके बारे में पता चला। मैंने अपने गाँव में जाकर युवाओं को इकट्ठा करके सूर्या यूथ क्लब शुरू किया। सभी युवाओं ने मिलकर खेलकूद प्रारंभ किया। इससे सभी को व्यक्तिगत लाभ भी हुआ जैसे- अनुशासन, समय पालन, योग, बड़ों का सम्मान आदि सीखा। केन्द्र में आने वाले कई युवाओं को नशे की लत थी, धीरे-धीरे उनकी आदतों में भी सुधार हुआ। इस केन्द्र में आने वाले युवाओं ने कई क्षेत्रों में पुरस्कार व सम्मान प्राप्त किया है। मैं सूर्या फाउण्डेशन को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

मैं सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा चल रहे सूर्या यूथ क्लब का खिलाड़ी हूँ। मैंने सोचा की अपने गाँव को स्वच्छ क्यों नहीं बनाया जा सकता है? गाँव में स्वच्छ भारत मिशन की बैठक 2 अक्टूबर 2018 को नांदियाकला में रखी गयी। बैठक में स्वच्छता समिति का गठन किया गया उसमें मुझे समिति के अध्यक्ष पद पर रखा गया। मेरा एक सपना था कि मैं अपने गाँव को स्वच्छ गाँव बनाकर रहूँगा। आज गाँव वालों की जनसहभागिता से गाँव स्वच्छता की ओर बढ़ रहा है। गाँव में 488 परिवार हैं। सभी घरों में शौचालय है, कोई व्यक्ति गाँव के बाहर शौच के लिये नहीं जाते हैं। मेरा गाँव स्वच्छता की ओर सतत बढ़ रहा है।

**सुरेश चौधरी**
**( खिलाड़ी )**

सूर्या यूथ क्लब टीम : नांदियाकल्ला



बेटी है घर की खुशहाली।

# नांदियाकल्ला गाँव मे हो रहे कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

# महिला सशक्तिकरण – सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र

मेरा नाम ममता सेन है। मैं नांदियाकल्ला गाँव की रहने वाली हूँ। मैंने सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र में तीन माह की ट्रेनिंग ली है। रेखा दीदी ने पहले हमें अखबार पर कटिंग बताया, मशीन चलाना सिखाया और मैनें धीरे-धीरे ब्लाउज, सलवार, सूट, पेटीकोट, पैजामा, लहंगा, लैगी आदि चीजें सिलना सीखा है।

सिलाई के साथ-साथ हमें सात दिन का हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण दिया गया जिसमें हम सब ने लटकन, तोरण, मिरर, की-होल्डर, वन्दनबार, बैग आदि बनाना सीखा है। अब मैं अपने घर पर ही गाँव के लोगों के कपड़े सिलती हूँ। मुझे प्रतिदिन लगभग 200 रुपये तक की आमदनी होती है। सूर्या फाउण्डेशन के इस पुनीत कार्य को मैं धन्यवाद देती हूँ।

ममता सेन
नांदियाकल्ला

## गोसाईं पुस्तकालय

नांदियाकल्ला – गोसाईं पुस्तकालय में पुस्तक पढ़ते ग्रामीण

मेरा नाम जसवंत सिंह भाटी है मैं महाराणा प्रताप यूथ क्लब का संरक्षक हूँ। सूर्या फाउण्डेशन की प्रेरणा से सेवाभावी बैठक रखी गई जिसमें पुस्तकालय खोलने के विषय पर चर्चा की गई और अपने गाँव के सेवाभावी कार्यकर्ता नें अपना एक बना हुआ कमरा पुस्तकालय के लिए दिया बाकी रुपए गाँव के जन सहयोग से इकट्ठा करके एक सुंदर पुस्तकालय का निर्माण किया है। आज पुस्तकालय में 500 उपयोगी किताबें हैं।

प्रतिदिन दैनिक भास्कर एवं भास्कर पत्रिका अखबार आता हैं। सुबह-सुबह गाँव वाले पुस्तकालय पर आकर अखबार पढ़ते हैं। पुस्तकालय में बच्चों के पढ़ने के लिए किताबें हैं जो लोग अपने घर पर ही किताबों को पढ़ना चाहते हैं वह घर पर किताबें ले जाकर पढ़ते हैं और पढ़ने के पश्चात् पुस्तक वापस पुस्तकालय में जमा करते हैं। पुस्तकालय की ओर ग्राम वासियों की रुचि बढ़ रही है।

# अनुभव...

**विकास विश्वकर्मा**
इंचार्ज चयनित आदर्श गाँव

भारत की आत्मा गाँव में निवास करती है। गाँव भारतीय संस्कृति की ऐसी व्यवस्था है जिसमें रहने वाले सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ रहते हैं, वे एक दूसरे का सहयोग करते हैं। गाँव में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन होता है। इसीलिए तो कहा जाता है कि भारत कृषि प्रधान देश है। गाँव में रहने वाला किसान अन्नदाता कहा जाता है।

मध्यांतर में विकास के आँधियों के बीच शहरों के विकास के कारण गाँव को बहुत क्षति का सामना करना पड़ा है, जिसका परिणाम हम सबके सामने है। गाँव का प्रत्येक व्यक्ति अनेक समस्याओं से घिरा हुआ है जिससे बचने के लिए गाँव में रहने वाले लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। लेकिन यह समस्या से निपटने का सही रास्ता नहीं है। क्योंकि इसका दुष्परिणाम हम सब जानते हैं। इससे बचने के लिए हमारे पास बस एक मात्र ही उपाय है कि हम पुन: गाँव की ओर आगे बढ़े अपने गाँव को खुशहाल व समृद्ध बनाएं।

आओ हम सब एक दूसरे का सहयोग करें बच्चों को शिक्षा दें, पर्याप्त मात्रा में स्वास्थ्य की व्यवस्था जुटाएं, उन्नत कृषि को प्रोत्साहित करें। हम सब के सामूहिक प्रयास से गाँव के प्रत्येक व्यक्ति द्वारा बढ़ाया गया एक-एक कदम गाँव की पहचान को आगे बढ़ाएगा और देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत गाँव को आदर्श बनाने के लिए अनेक प्रकार के प्रशिक्षण का आयोजन करता है जिसके माध्यम से हम अपने गाँव को आदर्श बनाने के लिए रास्ते खोज सकते है।

**मेरा गाँव साफ हो,**
**इसमें सबका हाथ हो।**

## सेवाकार्यों में लगे कार्यकर्ता

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | देवनारायण | 9161731582 | क्षेत्र प्रमुख |
| 2. | केन्द्रपाल | 9131043393 | पूर्णकालिक कार्यकर्ता |
| 3. | सवाई राव | 8005843315 | सूर्या संस्कार केन्द्र शिक्षक |
| 4. | मनीष सोनी | 9610867454 | सूर्या यूथ क्लब शिक्षक |
| 5. | रेखा सैन | 9588222637 | सूर्या सिलाई केन्द्र शिक्षिका |
| 6. | नत्थूनाथ | 6350680970 | सहायक कार्यकर्ता |
| 7. | गनेश सोनी | 9799107870 | सेवाभावी |
| 8. | मोहनराम | 9799824993 | सेवाभावी |
| 9. | जितेन्द्र भाटी | 889092105 | सेवाभावी |

# हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण

नांदियाकल्ला गाँव में स्वावलंबन एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 6 दिवसीय हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान श्रीमती पूनम शुक्ला जी ने महिलाओं को की-होल्डर, तोरन, वन्दनमाला, दीवार लटकन, खरगोश का टेडी, गोल काँच डिजाइनिंग, पर्स, डॉगी का टेडी, आदि बनाना सिखाया। इसे देखकर गाँव की अन्य बहनों ने भी प्रशिक्षण में भाग लेने की उत्सुकता दिखाई। जो महिलाएँ घर से बाहर नहीं निकलती थी आज उन्होनें प्रत्येक दिन समय पर आकर पूरा प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण में प्रेमभाव, सीखने में एक दूसरे की सहायता करना, मिलजुलकर काम करना यह देखने को मिला। प्रशिक्षण के दौरान भीखपुरी गोस्वामी, प्रकाश सोनी, जसवन्त सिंह भाटी, तरुण जी ने अपने उद्‌बोधन से महिलाओं को स्वावलंबन की ओर प्रोत्साहित किया।

## गाँव आदर्श बनाने हेतु मुख्य आधार बिन्दु

1. **शिक्षा**- गाँवों की साक्षरता 100% सुनिश्चित करना। गाँव में सभी शिक्षित व संस्कारित हो।
2. **स्वास्थ्य**-योग, नैचुरोपैथी यानि प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद से, खान-पान से स्वस्थ बनें।
3. **स्वावलंबन**-स्व-सहायता समूह द्वारा महिलाओं एवं पुरूषों को रोजगार देना।
4. **स्वच्छता**-गाँव, घर साफ-सुथरा हो, घर-घर में शौचालय हो। सभी मिलकर श्रमदान करें।
5. **समरसता**-सभी जाति, वर्ग के लोग मिल-जुलकर रहें, आपसी भाईचारा बढ़े।
6. **सेवा**- नर सेवा-नारायण सेवा। समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव। दूसरों का भला सोचें।
7. **स्कीम**-सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति, परिवार को मिले ऐसा प्रयास करें
8. **स्पोर्ट्स ( खेलकूद )**-युवा शक्ति को खेलकूद, व्यायाम के माध्यम् से सबल व अनुशासित बनाना।

# आदर्श गाँव की ओर अग्रसर : नांदियाकल्ला गाँव

केन्द्रपाल
सेवा कार्यकर्त्ता : नांदियाकल्ला

मुझे सूर्या फाउण्डेशन से प्रेरणा मिली। साथ ही समाज में कार्य करने का मौका मिला। मुझे आदर्श गाँव नांदियाकल्ला में पूर्णकालिक के नाते जिम्मेदारी दी गयी है। यह राजस्थान के जोधपुर जिले से 70 किमी. दूर है। गाँव में सूर्या संस्कार केन्द्र चलता है इसमें कक्षा एक से पाँच तक के छात्रों को नि:शुल्क पढ़ाया जाता है साथ ही बच्चों में संस्कार की बातें, गीत, खेल आदि कराए जाते हैं। आदरणीय जे.पी. सर का एक ही सपना है **आज के बच्चे कल का भारत**।

गाँव में सूर्या यूथ क्लब द्वारा रोजाना दो घण्टे खेल, व्यायाम, कराटे, योग आदि किया जाता है। जिससे युवा मजबूत एवं स्वावलम्बी बनें। महिला स्वावलंबन के लिए अजीविका मिशन योजना के द्वारा गाँव में 12 स्वयं सहायता समूह बनाए हैं, जिसमें महिलाएँ एक दूसरे की बिना जाति भेदभाव के सहायता करती हैं।

सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से महिलाओं को नि:शुल्क सिलाई सिखाया जाता है। इसमें 10 महिलाओं ने पूर्ण रूप से सिलाई सीखकर गाँव में ही सिलाई करके प्रत्येक दिन लगभग 200 रुपये कमा लेती हैं। गाँव में जन सहयोग से गोसाई वाचनालय एवं पुस्तकालय खोला गया है जिसमें 500 किताबें हैं। गाँव के लोग किताबें पढ़ने पुस्तकालय आते हैं। जल संरक्षण के लिए गाँव में तालाब का गहरीकरण किया गया है। गाँव में वृक्षारोपण भी किया गया है। गाँव के प्रत्येक घर में शौचालय है।

स्वच्छता समिति के माध्यम से गाँव में साप्ताहिक श्रमदान एवं बच्चों द्वारा रैली का आयोजन किया जाता है। आज स्वच्छता के प्रति लोग जागरुक हो गए हैं। गाँव के मंदिर में ही साप्ताहिक भजन कीर्तन का आयोजन किया जाता है। स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से लोगों का नि:शुल्क उपचार एवं किसान गोष्ठी के माध्यम से किसानों को जैविक खेती से जोड़ा जा रहा है। मुझे विश्वास है मेरा गाँव एक अच्छे गाँव ओर आगे बढ़ रहा है।

**गाँव में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित गतिविधियाँ :-**

- संस्कार केन्द्र
- यूथ क्लब
- सिलाई केन्द्र
- योग केन्द्र
- पुस्तकालय
- भजन मण्डली
- ग्राम विकास समिति
- युवा समिति

होंगे कामयाब

# नांदियाकल्ला गाँव के विकास की झलकियाँ

## एक घर एक पेड़ मौजूदा वक्त की जरूरत : सोनी

**नवज्योति/सोयला।**

नांदियाकल्ला सूर्या फाउंडेशन महाराणा प्रताप युथ क्लब के द्वारा नांदिया कल्ला में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर विकास विभाकर्मी सूर्या फाउंडेशन के 15 आदर्श गांव प्रमुख ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जन-जन को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए पौधरोपण को बढ़ावा देने के लिए पौधरोपण महा अभियान चला रहा है। इस महाभियान के तहत स्थानीय स्तर पर स्वयंसेवी संस्थाएं, युथ क्लब, बाल संस्कार केंद्र के बच्चे, स्वयं सहायता समूह की बहनें, शिक्षण संस्थान तथा सामाजिक कार्य में लगे संगठनों का सहयोग लेकर इस कार्य को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। राजस्थान मे सूर्या फाउंडेशन के माध्यम से समाज का

सहयोग लेकर 40 हजार पौधे लगाने व वितरण करने की योजना है। महाराणा प्रताप युथ क्लब के सचिव प्रकाश सोनी ने कहा कि आज के पर्यावरण असंतुलन का मूल कारण प्रकृति का शोषण है। इन सबका समाधान हमारे द्वारा ही संभव अतः हम सबको मिलकर इस दिशा में कार्य करना चाहिए। राजूराम गर्ग ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन अनेक प्रकार की गतिविधियां संचालित कर रहा है। पौधरोपण के साथ सूर्या संस्कार केंद्र पर गोस्वामी तुलसीदास महाराज की जयंती मनाई गई। इसमें मुख्य अतिथि सुनीता प्रधानाचार्य बच्चों का मार्गदर्शन किया। ऐसे कई कार्यक्रम सामाजिक क्षेत्र में किए जा रहे है। साथ ही साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण मे भी सहयोग करता है। इस कार्यक्रम में भोमसिंह केन्द्रपाल, बाबूलाल टेलर, रघुनाथ, चन्द्र, सुनीता, सुरेश चौधरी, प्रेमचंद, शेरसिंह आदि कार्यकर्ता की सहभागिता रही।

## किसानों के लिए जैविक खेती आज की आवश्यकता : सिवर

**नवज्योति/सोयला।**

नांदियाकल्ला सूर्या फाउंडेशन द्वारा किसान गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी का शुभारंभ तुलसाराम सिवर, महेंद्र सिंह भाटी, मेघाराम तरड़, भीखपुरी गोस्वामी ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर तुलसाराम सिवर प्रांत जैविक खेती प्रमुख भारतीय किसान संघ ने कहा कि आज का युग संगठन का युग है किसानों को समूह के रूप में एकत्र बैठकर कृषि की योजनाएं बनाकर काम करना होगा। रासायनिक खादों के प्रयोग के कारण जमीन की उर्वरक क्षमता दिनों दिन कम हो रही है साथ ही खेती की लागत भी बढ़ रही है और सबसे बड़ा दुष्परिणाम अत्यधिक रसायनों के प्रयोग के कारण अनेक प्रकार के असाध्य बीमारियां भी शुरू हो गई है। इन सब का समाधान विधि है तो वह है हमारे पूर्वजों द्वारा हमें दिए गए खेती की पद्धति जिसको आज आधुनिक भाषा में जैविक खेती के नाम से जानते हैं।

भीखपुरी गोस्वामी क्षेत्र प्रमुख सूर्या फाउंडेशन ने कहा कि फाउंडेशन का लक्ष्य हमारा ग्राम स्वावलंबी बने आत्मनिर्भर बने इस दिशा में काम करते हैं। इन सबके लिए जरूरी है हमारा गांव एक इकाई के रूप में विकसित हो। इस मौके पर प्रकाश सोनी सचिव युथ क्लब व राजेन्द्र सिंह ने अतिथियों को स्मृति देकर सम्मानित किया।

### यह रहे मौजूद

कार्यक्रम में शिम्भुसिंह, कन्हैयालाल सोनी, राजेन्द्र सिंह, भोमसिंह भाटी, हेमाराम मेघवाल, जगदीश मल सोनी, प्रेमराज राव, मोहनराम डूडी, मोहनराम माचरा, कुम्भाराम गर्ग, चन्दाराम मेघवाल, तेजसिंह कुम्भावत, अभैसिंह भाटी, भभूतमल शर्मा, भंवरदास वैष्णव व दीनानाथ सहित अनेक किसानों की सहभागिता रही।

## गिरभाकर नांदिया में हुआ पौधरोपण

**नवज्योति/सोयला।**

हरभरा राजस्थान के तहत क्षेत्र के नांदिया कल्ला के गिरभाकर स्थित छोटा रामसरोवर पर संत प्रेमसुखदास महाराज के सान्निध्य में पौधरोपण किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम के तहत भाजयुमो जिलामंत्री प्रकाश सोनी ने कहा कि एक वृक्ष एक जिंदगी के आधार पर हम सभी को अपनी जिंदगी में एक-एक वृक्ष लगाकर उसके पालन पोषण का भी संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर सुखदेव दर्जी, जसवंत सिंह, रघुवीरसिंह, अचलाराम, सोहनराम, कालुसिंह, टीकमचंद, केंद्रपाल, मनीष सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत गो...

**जोधपुर**। सूर्या फाउंडेशन आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत आदर्श गाँव जोधपुर के गाँव नाँदियाकला की गोपाल गोसाई गोशाला मे पशु टीकाकरण कार्यक्रम कराया जिसमे सूर्या फाउंडेशन से आये कवल कुमार ने बताया पशुओं को होने वाली बीमारी व उससे बचाव पशुओं में ब्लैक क्वार्टर (बी.क्यू)पशुओं में डेगनाला रोग (पुँछकटवा रोग) पशुओं में खरहा-मुँहपका रोग पशुओं में हेमोरेजिक सेप्टीसीमिया (एच.एस) पशुओं में लिवर- फ्लूक (छेरा रोग) बीमारी पशुओं में थनैला रोग खुर और मुख संबंधी बीमारियाँ खुर और मुख की बीमारियां,खासकर फटे खुर वाले पशुओं में बहुत अधिक मात्रा में पाई जाती है जिनमें शामिल है भैंस भेड़ बकरी व

## सामाजिक सरोकार • पहले निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त किया, अब निशुल्क बना रही हैं मास्क

**भास्कर न्यूज़. बावड़ी|** वर्तमान हालात में पूरे विश्व में कोरोना नामक वायरस ने आमजन के जीवन को रोक सा दिया है। वहीं नांदिया कलां ग्राम के युवा व महिलाओं ने इस बीमारी को रोकने के लिए अपना योगदान दे रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र के नांदिया कलां ग्राम में महाराणा प्रताप यूथ क्लब व सूर्या फाउंडेशन द्वारा विभिन्न धार्मिक व सामाजिक सरोकार के कार्य करवाए जा रहे हैं। इसमें संगठन ने ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण शिविर भी है। वर्तमान में फैल रही कोरोना महामारी को रोकने के लिए इन महिलाओं व बालिकाओं ने युवा संगठनों के माध्यम से आमजन का सहयोग करने के लिए स्वप्रेरणा से निशुल्क मास्क सिल कर दे रही हैं। ग्रामीण भीखपुरी गोस्वामी व प्रकाश सोनी ने बताया कि कार्यकर्ता जसवंतसिंह द्वारा मास्क का कच्चा माल निशुल्क उपलब्ध करवाया गया। वहीं शनिवार को युवाओं ने विभिन्न बस्तियों में जाकर मास्क निशुल्क वितरण किए।

Scanned with CamScanner